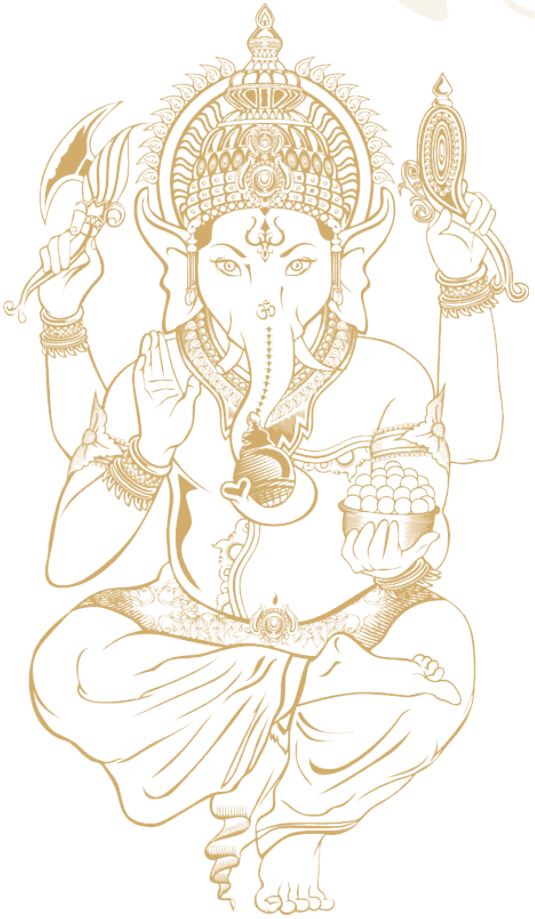

Mr.

09 May 1989

04:10 AM

Mandi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121690607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/05/1989**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:10:00 घंटे**
इष्ट	56:36:58 घटी
स्थान	**Mandi**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:43:00 उत्तर
रेखांश	76:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:47:40 घंटे
वेलान्तर	00:03:32 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:35 घंटे
सूर्योदय	05:31:12 घंटे
सूर्यास्त	19:06:56 घंटे
दिनमान	13:35:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:35:18 मेष
लग्न के अंश	26:21:55 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:21:55	517:48:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			मेष	24:35:18	00:58:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	11:04:40	13:41:10	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	12:19:19	00:37:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृष	12:36:50	00:18:07	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृष	17:35:41	00:13:24	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	03:25:41	01:13:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि	व		धनु	20:00:41	00:01:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	07:43:01	00:07:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	07:43:01	00:07:08	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	11:15:53	00:01:24	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप	व		धनु	18:30:32	00:00:47	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	19:57:31	00:01:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	18:50:57	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:37

लग्न-चलित

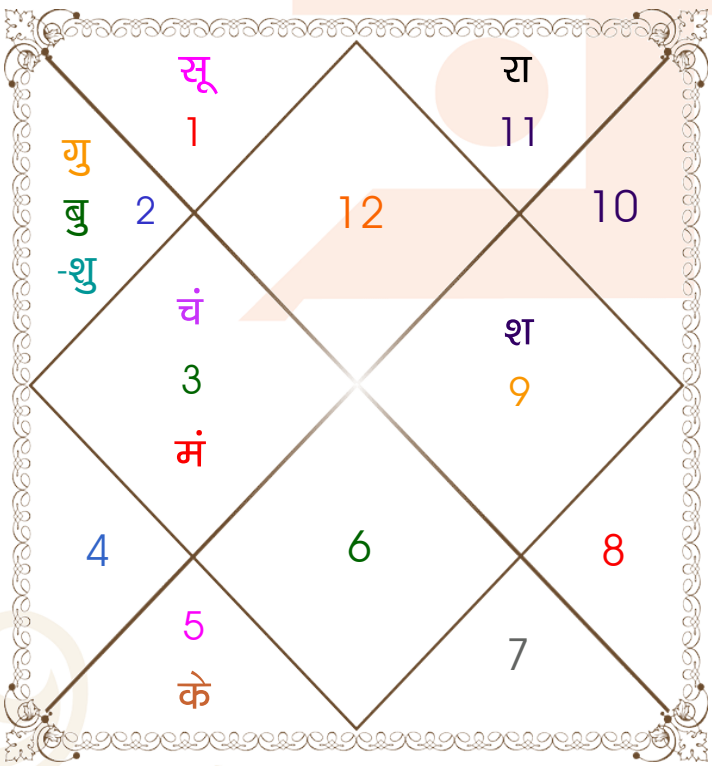

चन्द्र कुंडली

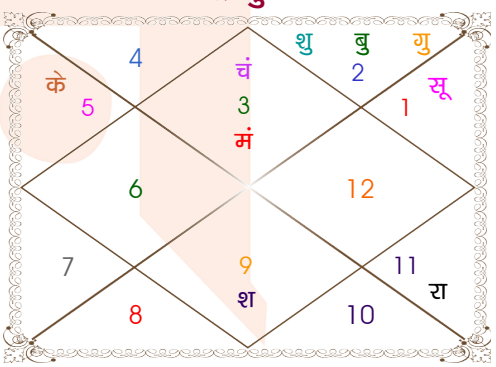

नवमांश कुंडली

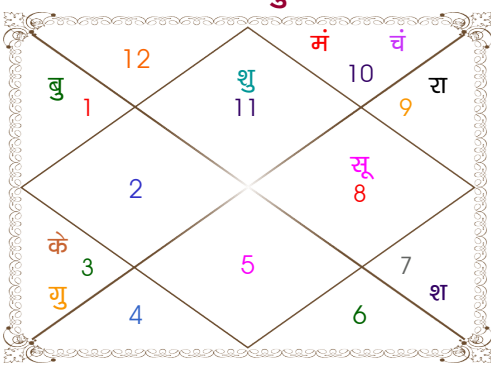

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 0 मास 16 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/05/1989		25/05/2001		25/05/2017		25/05/2036		25/05/2053	
25/05/2001		25/05/2017		25/05/2036		25/05/2053		25/05/2060	
	00/00/0000	गुरु	13/07/2003	शनि	28/05/2020	बुध	22/10/2038	केतु	21/10/2053
	09/05/1989	शनि	24/01/2006	बुध	05/02/2023	केतु	19/10/2039	शुक्र	21/12/2054
शनि	07/05/1991	बुध	01/05/2008	केतु	16/03/2024	शुक्र	19/08/2042	सूर्य	28/04/2055
बुध	24/11/1993	केतु	06/04/2009	शुक्र	16/05/2027	सूर्य	25/06/2043	चंद्र	27/11/2055
केतु	12/12/1994	शुक्र	06/12/2011	सूर्य	27/04/2028	चंद्र	24/11/2044	मंगल	24/04/2056
शुक्र	12/12/1997	सूर्य	24/09/2012	चंद्र	27/11/2029	मंगल	21/11/2045	राहु	13/05/2057
सूर्य	06/11/1998	चंद्र	24/01/2014	मंगल	06/01/2031	राहु	09/06/2048	गुरु	19/04/2058
चंद्र	07/05/2000	मंगल	31/12/2014	राहु	12/11/2033	गुरु	15/09/2050	शनि	29/05/2059
मंगल	25/05/2001	राहु	25/05/2017	गुरु	25/05/2036	शनि	25/05/2053	बुध	25/05/2060

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/05/2060		25/05/2080		25/05/2086		25/05/2096		27/05/2103	
25/05/2080		25/05/2086		25/05/2096		27/05/2103		00/00/0000	
शुक्र	24/09/2063	सूर्य	11/09/2080	चंद्र	26/03/2087	मंगल	21/10/2096	राहु	06/02/2106
सूर्य	24/09/2064	चंद्र	13/03/2081	मंगल	25/10/2087	राहु	09/11/2097	गुरु	01/07/2108
चंद्र	25/05/2066	मंगल	19/07/2081	राहु	25/04/2089	गुरु	15/10/2098	शनि	10/05/2109
मंगल	26/07/2067	राहु	13/06/2082	गुरु	25/08/2090	शनि	24/11/2099		00/00/0000
राहु	25/07/2070	गुरु	01/04/2083	शनि	25/03/2092	बुध	21/11/2100		00/00/0000
गुरु	25/03/2073	शनि	13/03/2084	बुध	24/08/2093	केतु	20/04/2101		00/00/0000
शनि	25/05/2076	बुध	17/01/2085	केतु	26/03/2094	शुक्र	20/06/2102		00/00/0000
बुध	26/03/2079	केतु	25/05/2085	शुक्र	24/11/2095	सूर्य	26/10/2102		00/00/0000
केतु	25/05/2080	शुक्र	25/05/2086	सूर्य	25/05/2096	चंद्र	27/05/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 1 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।